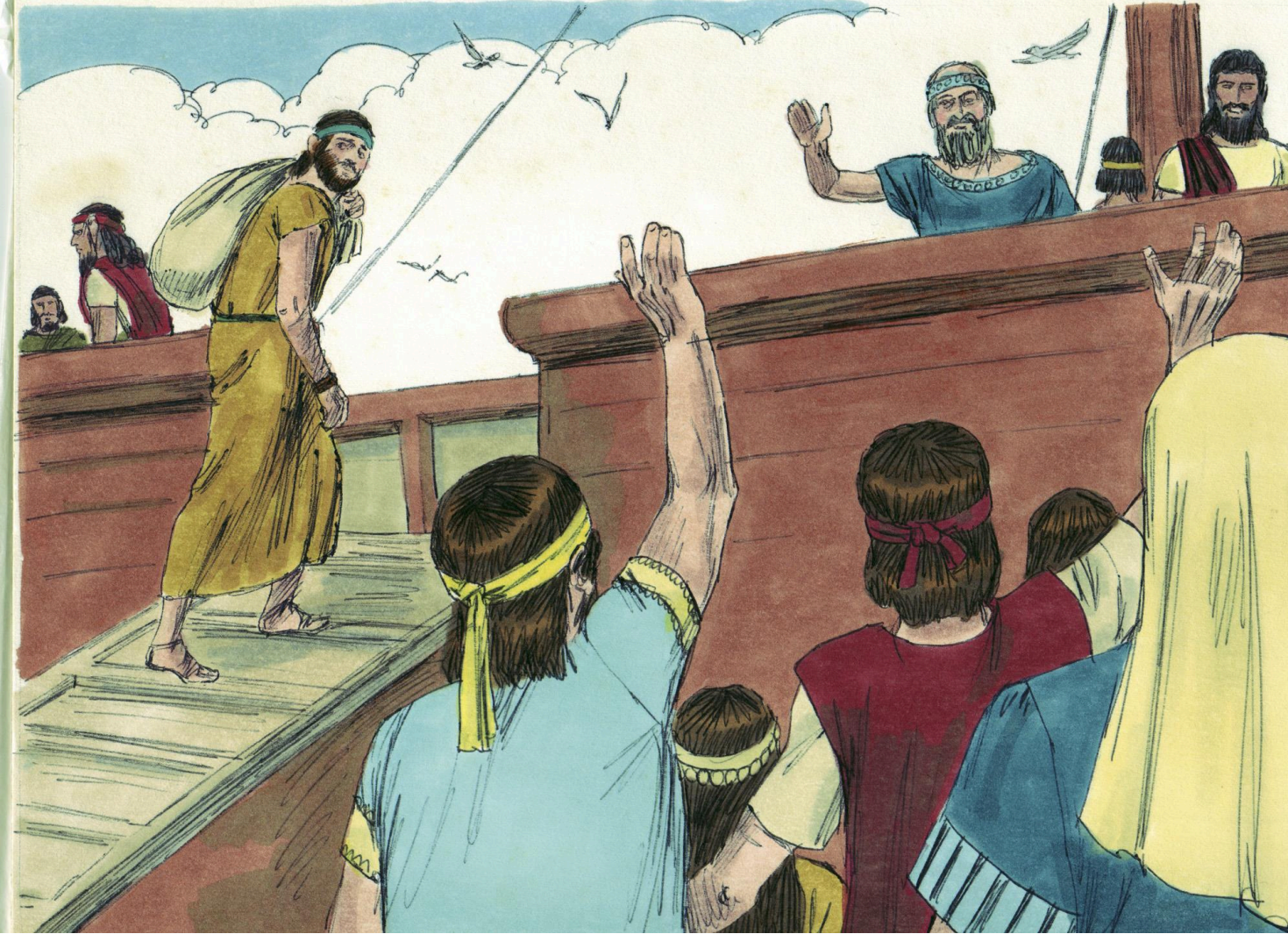


परमेश्वर रौ दास योना



Bangani

परमेश्वर रौ दास योना

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

परकाशण:-

NLCI

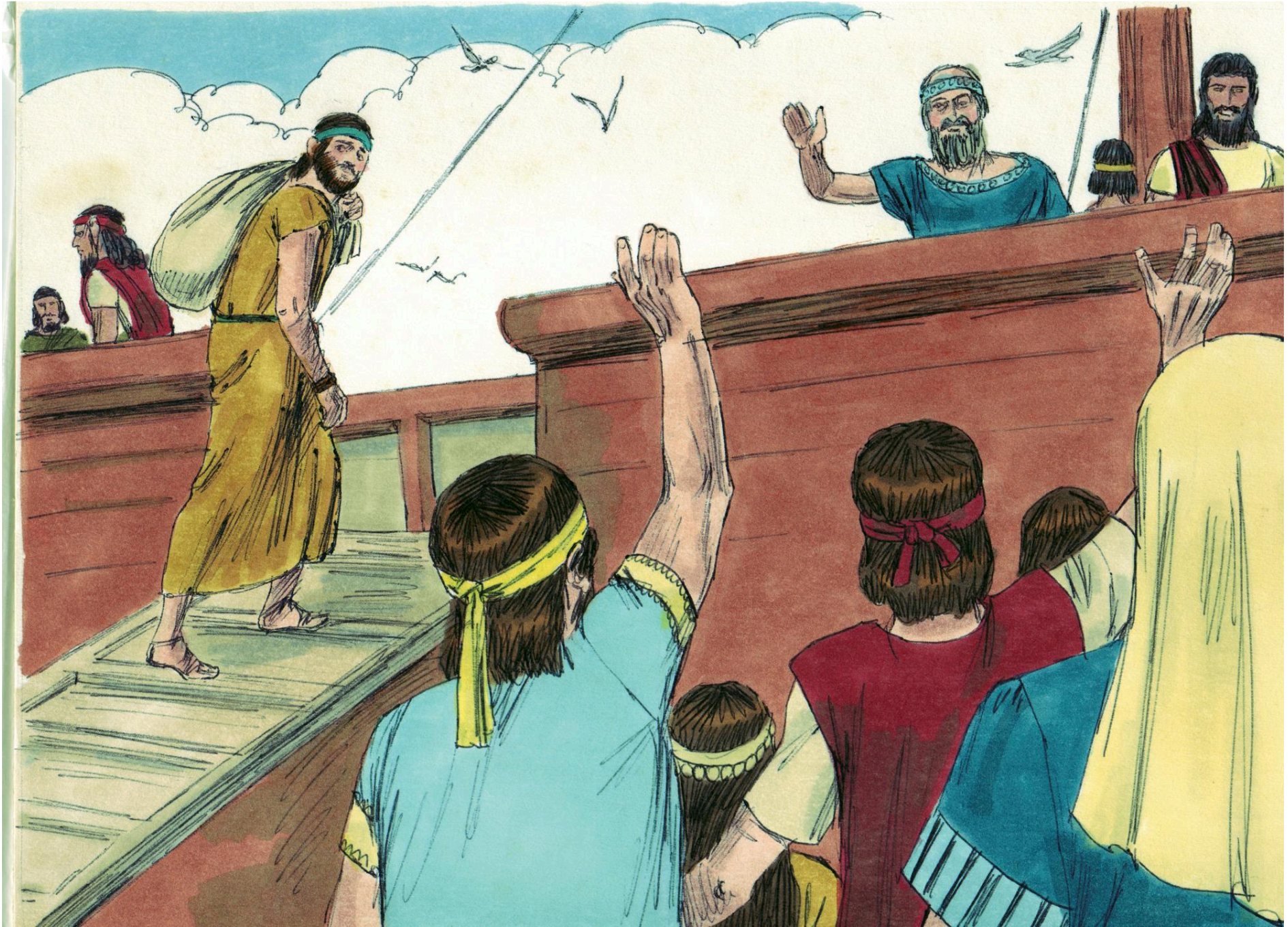
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें परमेश्वर का दास योना के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



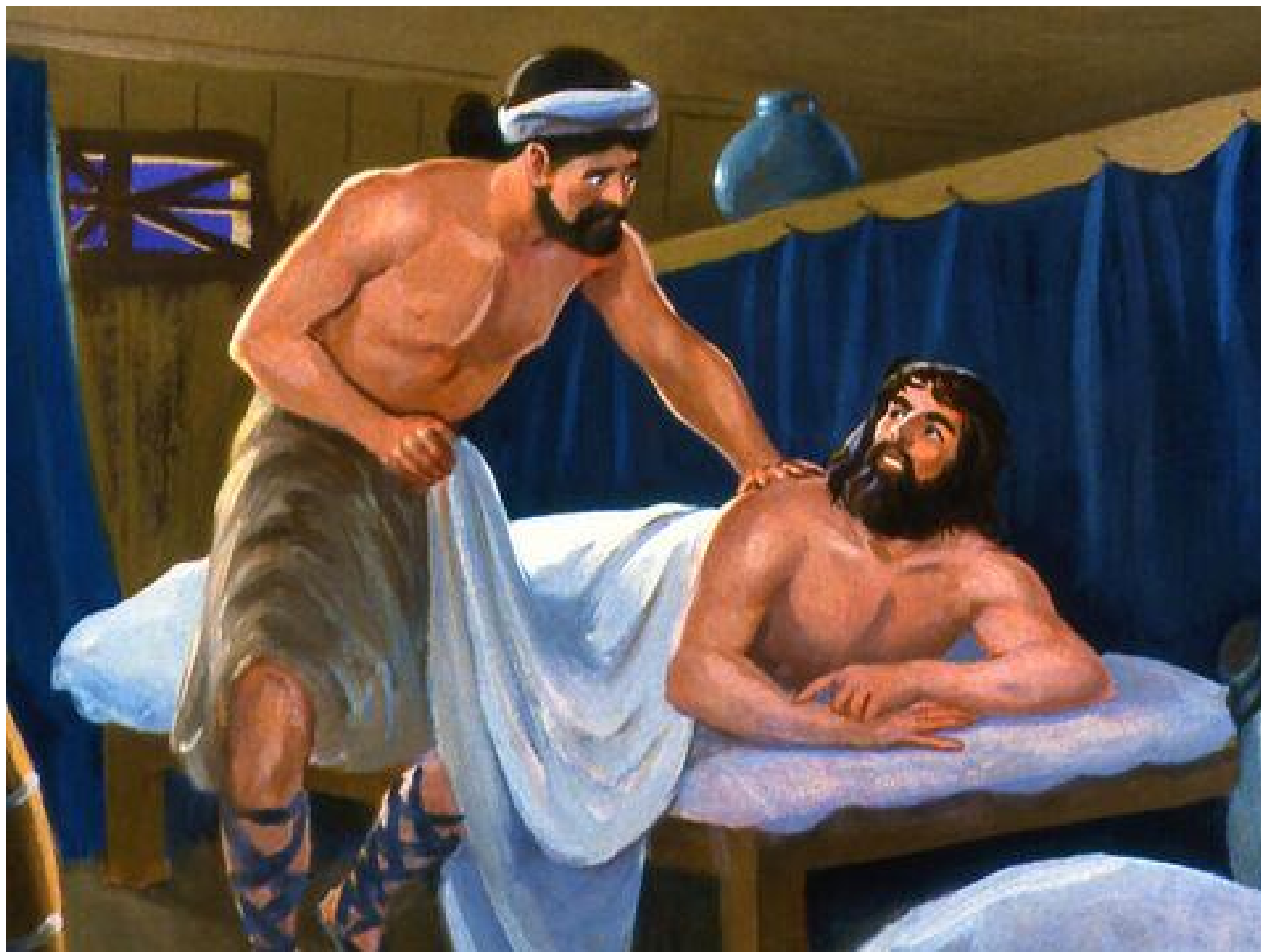
एज़ी कांऽणी परमेश्वर रौ दास योना री, जूण
अमिते रौ बेटा थौ सेउ एक बाखी थौ, योना
परमेश्वर रौ बचन लोगु काई बी पौइंचा थौ। एक
बैरै परमेश्वरेइ योना आरी बोलौ, कि असीरिया
री राज़दानी नीनवे रै लोग मेरै देखणे दी बौरी पाप
रौयै कौरदै लागी, एज़ी बौजै कौइ तेत्कै रै लोगु
री बुराई मेरी नज़र दि बौरी बौड़ी गोइ।



एज़ी बौज़ै कौइ तू नीनवे शैर खी डेऊ, औज़ि
तिउँरै खिलाफ पौरचार कौर, पर योना नीनवे खी
ना डैअ। पर सेउ याफा शैर कौइ तर्शीश डेणै
वाळौ ज़ाज़ दी डैअ, केलाकि सेउ नीनवे खी
ना डेणै च़ाँऐ थौ, एज़ी बौज़ै कौइ सेउ परमेश्वर
रै सामणै कौइ समुंद्र रौ ज़ाज़ कौइ तर्शीश खी
डेन्दै लागौ।



तैबै परमेश्वरेइ समुंद्र दी खौरी बागुर बौआई,
एती बौआई कि नाऊ चुटणै वाळी थी तैबै जाज़
रै सारै लोग डौरियौ आपड़ै-आपड़ै देबता रखी
औटाइन्दै लागै, औज़ि ज़ुण्ज़ौ ज़ाज़ दी सौमान
थौ, तेस बारै फिरकान्दै लागै, ताकि ज़ाज़
औळखी औयै ली।



सेज़ौ बौक्ते दि योना ज़ाज़ दि तौली पौशै डेइयौ
मिठी नीज़ दी सुतौन्दौ थौ। तैबै ज़ाज़ चौळाणै
वाळौ तेसकाई डैअ, औज़ि तेसारी बोलौ, कि तू
एत्कै मीठी नीज दी सुतौन्दौ, बिऊज़ु आपड़ौ
देबता खी औटाइऊ, एशौ उई सौकै कि तेरौ
देबता तेरी प्राथना शुणियौ आमु बौचा लौ।



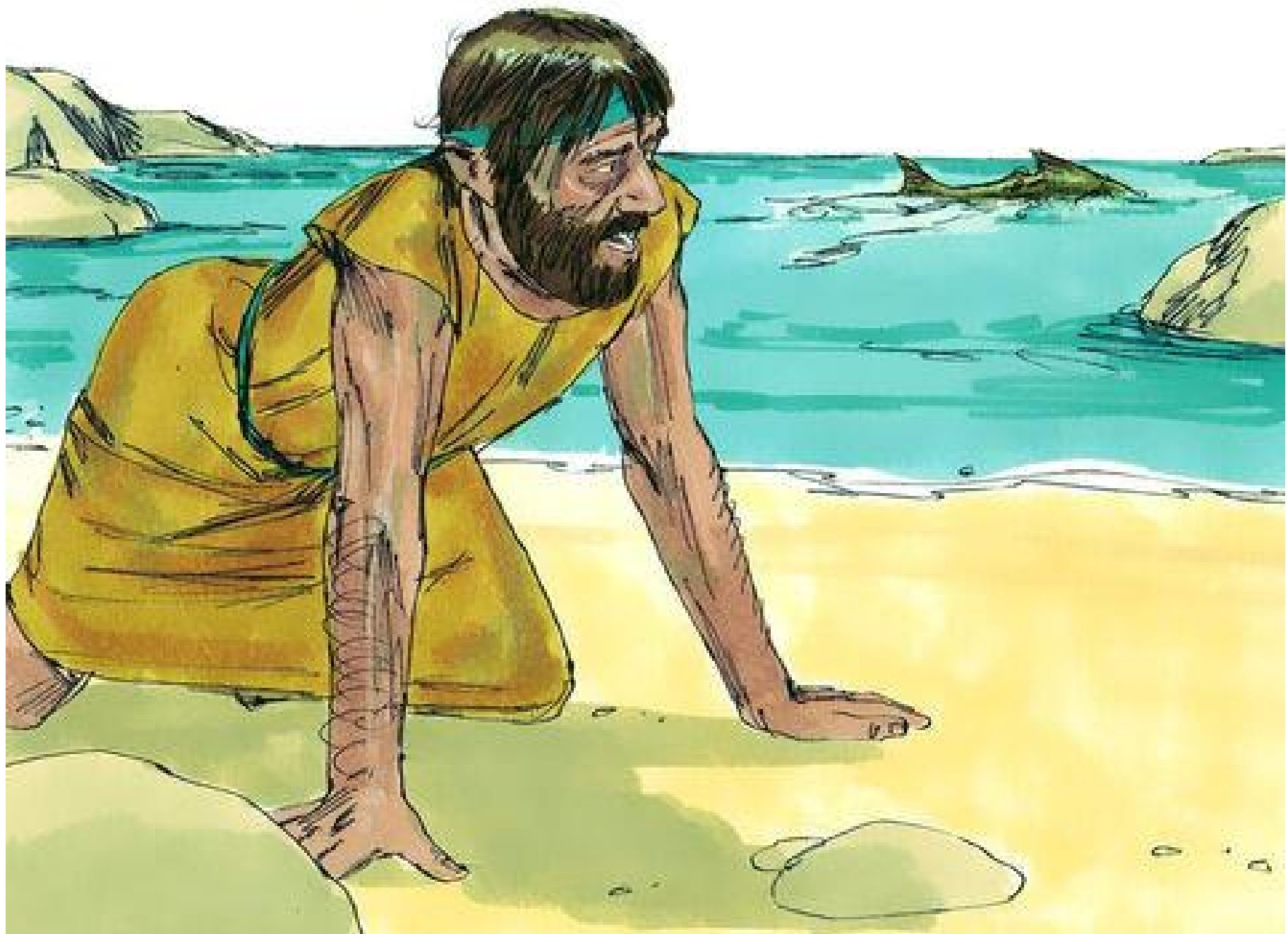
तैबै तिउं एशौ ज़ानणेखी कि ऐ मुसिबत आमु माइं
केज़ी बौज़ै कौइ आई तेसखी तिउं आपस माइं
चिढ़ी पाई, सै चिढ़ी योना रै नौऊं दि आई, तैबै
तिउं योना आरी बोलौ, कि ऐ मुसिबत आमु माइं
केलाइ आई, तू कुण?



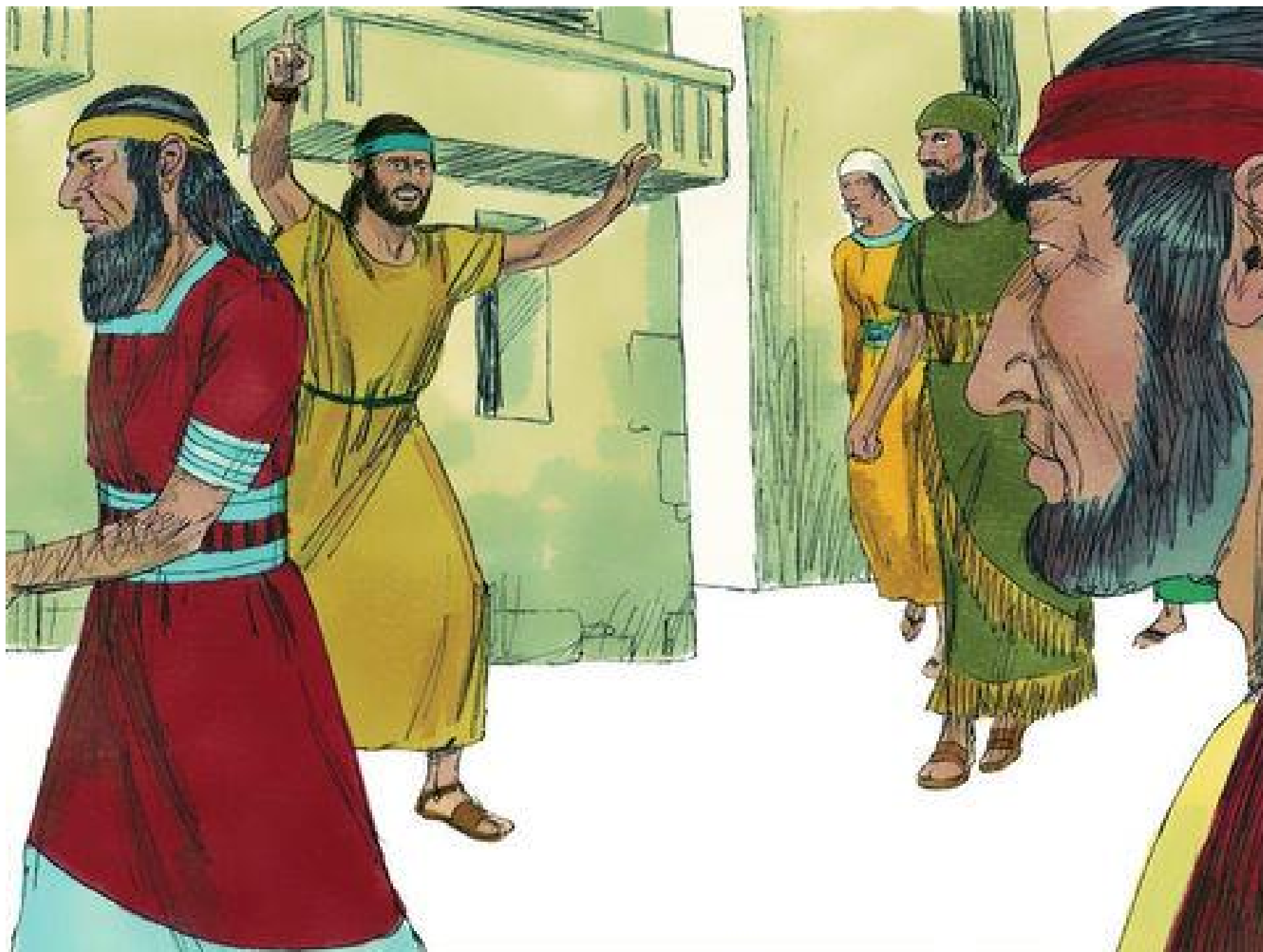
तैबै योनाइ बोलौ, कि “आऊँ, स्वर्ग रौ परमेश्वर
यहोवा रौ दास ज़िणी समुंद्र औज़ि दौरती चाणी,
आऊँ तेसरै सामणै कौइ बागियौ आऔन्दौ, एज़ी
बौज़ै कौइ ऐ मुसिबत आईयौन्दि।” एशौ शुणियौ
सै बौरी डौरी मौरै, औज़ि बोल्दै लागै कि ताई
एशौ केलाइ कियौ।



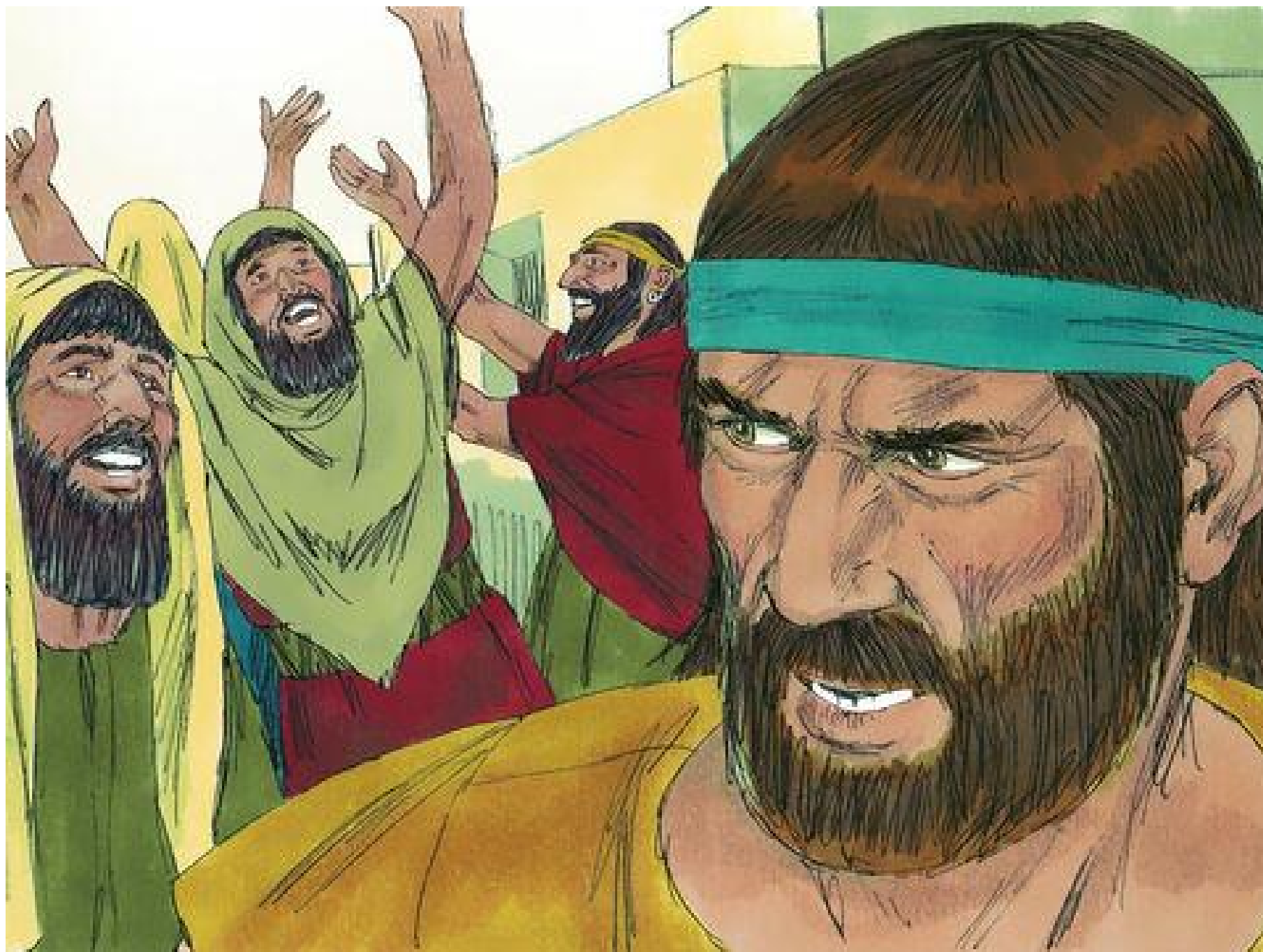
तैबै तिउं योना कौइ पुछौ कि ऐबै आमै तेरै साथै
का कौरी जेसकौइ ऐ मुसिबत पोरु रुकै ली, तैबै
योनाइ बोलौ, मूँ समुंद्र दी फिरकाई दैअ। तैबै
समुंद्र शान्त औयै लौ। केलाकि आऊँ ज़ाणू कि ऐ
मुसिबत मेरी बौजै कौइ आईयौन्दि। तैबै तिउं
परमेश्वर कौइ प्राथना की औज़ि योना समुंद्र दी
फिरकाई देणौ, तै समुंद्र शान्त उवौ।



तैबै परमेश्वरेइ समुंद्र दी एक बड़ौ महामच्छ
छाड़ौ, तिणी योना बादिया गुटौ, योना तेस
महामच्छ रै पेटे दी चीन दूस औज़ि चीन रात
जौउं रौ। तैबै योनाइ तेसरै पेटै पोरु कौइ
परमेश्वर कौइ प्रार्थना की। तैबै परमेश्वरेइ
महामच्छ कै आदेश देणौ। तै तिणी योना शुकी
जागा दी माटै माइं बारै गाड़ौ।



तैबै परमेश्वरेइ योना आरी औज़िपै बोलौ,
बिऊज़ियौ नीनवे शैर खी डेऊ, औज़ि जुणज़ी बुशै
मुईं ताऊंवारी बोली तिउं तेत्कै डेइयौ तेत्कैरै
लोगु आरी बोल, तैबै परमेश्वर री बोलणे री
बौजै कौइ सेउ बौडै शैर नीनवे खी डैअ। सेउ
नीनवे दी पौरचार कौरदै लागौ, ईबी कौइ
चाळीश दूस बासियै नीनवे रौ नाश उवै लौ।



तैबै नीनवे रै लोगु परमेश्वर रै बचन दि बिश्वास
कियौ, तैबै सारिउं टाट लपेटियौ उपवास रै साथै
पश्चाताप कियौ, औज़ि राज़ाइ बी एशौइ कियौ।
राज़ाइ एक आदेश देणौ कि सारै लोग आपड़ै बुरै
कामु छोड़ी दैअ, औज़ि परमेश्वर कौइ प्रार्थना
कौरौ, उई सौकै कि परमेश्वर आपड़ी इच्छा
पोरु बौदले लौ औज़ि आम्कै सौज़ा ना दैलौ।



जौ परमेश्वरेइ देखौ कि लोगु बुरै काम कौरणौ
छोड़ी गोअ, तैबै परमेश्वरेइ आपड़ौ ज़ीऊ पोरु
बौदलौ, औज़ि जेशौ तिणी नीनवे रखी नाश
कौरणेखी सुँचौन्दौ थौ, तेशौ ना कियौ। एज़ी
बुशै योना कै बौड़िया ना लागी। परमेश्वरेइ
नीनवे रौ नाश ना कियौ, एज़ी बौज़ै कौइ योनाइ
रोश लागौ।



तैबै योनाइ परमेश्वर आरी बोलौ कि आऊँ जाणु
थौ, कि तू एशौ ना कौरदौ, तू ईऊँ पापी लोगु
माफ कौरै थौ, एज़ी बौज़ै कौइ आऊँ तर्शीश खी
रौ थौ डेन्दै लागी, केलाकि आऊँ ज़ाणु कि तू
अनुग्रह (कृपा) कौरणै वाळौ, औज़ि दयालू,
औज़ि आराम कौइ रोश कौरणै वाळौ
करुणानिदान परमेश्वर, औज़ि तू दुख देणने कौइ
खुश ना उन्दौ।



तैबै परमेश्वरेइ योना आरी बोलौ, का एजै शैर रै
लोगु ज़ांगणौ ठीकै? जेसदी एक लाख बीश
अज़ार कौइ ज़ादा लोग रौयैण, औज़ि बौरी गौरेलु
ज़ानबर बी रौयैण, ऐ लोग तै एशौ बी ना ज़ाण्डै
कि ऐ गलत काम रौयै कौरदै लागी, तै का आऊँ
ईऊँ दि तरस ना खाऊ लै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.